

Disclaimer

The Institute has given the right of translation of the material in hindi and is not responsible for the quality of the translated version. While due care has been taken to ensure the quality of the original material. If any errors or omissions are noticed in Hindi then kindly refer with English version.

पेपर 8—वित्तीय प्रबंधन तथा वित्त के लिए अर्थव्यवस्था

खंड A: वित्तीय प्रबंधन

प्रश्न

अनुपात विश्लेषण

1. निम्न KLM LLP का लाभ तथा हानि तथा तुलना पत्र है

व्यापारिक तथा लाभ तथा हानि खाता

विवरण	राशी रू	विवरण	राशी रू
आंरभिक स्टॉक को	12,46,000	बिक्री के द्वारा	1,96,56,000
क्रय को	1,56,20,000	अंतिम स्टॉक के द्वारा	14,28,000
स्कल लाभ ले जाय गया	42,18,000		
	2,10,84,000		2,10,84,000
		सकल लाभ को आगे लाया	42,18,000
प्रशासकीय व्यय	18,40,000	निवेश पर ब्याज	24,600
बिक्री तथा वितरण व्यय	7,56,000	प्राप्त लाभांश	22,000
ऋण पर ब्याज	2,60,000		
शुद्ध लाभ	14,08,600		
	42,64,600		42,64,600

का तुलनापत्र.....

पुंजी तथा दायित्व	राशी रू	सम्पति	राशी रू
पुंजी	20,00,000	प्लांट तथा मशीनरी	24,00,000
रखा अर्जन	42,00,000	भवन	42,00,000
सामान्य संचय	12,00,000	फर्नीचर	12,00,000
बैंक से आवधिक ऋण	26,00,000	विविध ऋणी	13,50,000
विविध ऋणदाता	7,20,000	इंवेटरी	14,28,000
अन्य दायित्व	2,80,000	नकद तथा बैंक शेष	4,22,000
	1,10,00,000		1,10,00,000

आपको गणना करनी है

- (i) सकल लाभ अनुपात (ii) शुद्ध लाभ अनुपात (iii) परिचालन लागत अनुपात
(iv) परिचालन लाभ अनुपात (v) इंवेटरी टर्नओवर अनुपात (vi) चालु अनुपात

- (vii) तीव्र अनुपात (viii) ब्याज कवरेज अनुपात (ix) नियोजित पूंजी पर प्रत्याप
(x) सम्पत्ति की ऋण अनुपात

पूंजी की लागत

2. KM Ltd. का 30 सितम्बर 2019 को निम्न पूंजी संरचना है

पूंजी का स्रोत	(रु)
समताअंशपूजी (रु 10 प्रत्येक का 40,00,000 अंश)	4,00,00,000
संचय तथाआधिकय	4,00,00,000
12% अधिमानअंश	2,00,00,000
9% ऋणपत्र	6,00,00,000
	16,00,00,000

समता अंशों की बाजार कीमत रु 60 है। यह अपेक्षा है कि कम्पनी अगले वर्ष रु 6 प्रतिअंश का भुगतान करेगी जो सदा के लिए 10% से बढ़ेगा। 40% आयकर की दरकोमानले

आपको बाजार मुल्य भार का उपयोगकरपूंजी की भारितऔसतलागत की गणनाकरनीहै।

पूंजीसंरचना

3. RT Ltd. का प्रबंधन अपने दीर्घकालीन परियोजना की वित्तीय मांग को पुरा करने के लिए बाजार से फंड उगाहना चाहता है। कम्पनी का फंड का उगाह हने के लिए प्रस्ताव के कई समुच्चय पर विचार कर रही है। आपको कम्पनी का निम्न प्रस्ताव दिया है।

प्रस्ताव	समता अंश %	ऋण %	अधिमान अंश %
P	100	-	-
Q	50	50	-
R	50	-	50

- (i) ऋण तथा अधिमान अंश की लागत 12% प्रत्येक है
(ii) करदर -40%
(iii) प्रत्येक 10 की अंकित मुल्य का समता अंशों को रु 10 प्रति अंश पर जारी किये जायेगे।
(iv) रु 8,00,00,000 की कुल निवेश को उगाहा जायेगा
(v) ब्याज तथा कर पूर्वअपेक्षित आय रु 3,60,00,000
- उपरोक्त प्रस्ताव से प्रबंधन आपको निम्न की गणना के पश्चात् उपयुक्त योजना के लिए सलाह लेना चाहती है प्रति अंशआय

- Earnings per share
- Financial break-even-point

तटस्थ के लिए योजना के मध्य EBIT रेंज की गणना का लिवरेज

लिवरेज

4. निम्न चार सुचीव्द फर्मों के लिए परिचालन आय में प्रतिशत बदलाव, राजस्व में प्रतिशत बदलाव तथा बेटा का संक्षेपी करण करता है

फर्म	राजस्व में बदलाव	परिचालन आय में बदलाव	बेटा
A Ltd.	35%	22%	1.00
B Ltd.	24%	35%	1.65
C Ltd.	29%	26%	1.15
D Ltd.	32%	30%	1.20

आपको करना है

- इनमें से प्रत्येक फर्म के लिए परिचालन लिवरेज की डिग्री की गणना साथ में टिप्पणी करें।
- परिचालन लिवरेज का उपयोग कर स्पष्ट करें क्यों इनफार्म का भिन्न बेग है

पूँजी बजटिंग

5. MTR Ltd. ₹ 25,00,000 की लागत पर पाँच वर्ष की उपयोगी आर्थिक जीवन वाली एक मशीन जिसका स्क्रैय मुल्य ₹ 3,00,000 है तथा 80% की लागत परियोजना के आरंभ में तथा 20% प्रथम वर्ष के अंत में भुगतान योग्य है के क्रय पर विचार कर रही है मशीन ₹ 300 प्रति यूनिट की अनुमानित बिक्री कीमत के साथ नयी उत्पाद की 75000 यूनिट को उत्पादित करेगी। प्रत्यक्ष लागत ₹ 285 प्रति यूनिट तथा सीधी देखा आधार पर गणना इस सहित वार्षिक स्थिर लागत ₹ 8,40,000 प्रतिवर्ष होगी।

प्रथम वर्ष तथा द्वितीय वर्ष में उपरोक्त लागत में सम्मिलित किये जाने वाला विशेष बिक्री संवर्दन व्यय क्रमशः ₹ 1,00,000 तथा ₹ 1,50,000 होगा

यह मानकर कि कम्पनी की पूँजी की लागत 15 प्रतिशत है, निवेश समीक्षा की NPV तरीका का उपयोग कर परियोजना का आकलन करें

पूँजी बजटिंग में जोखिम विश्लेषण

6. SL Ltd. ने परियोजना में ₹ 1000 लाख का निवेश किया। प्रत्याय की जोखिम मुक्त दर 5% है। प्रबन्धन द्वारा अपेक्षित जोखिम प्रिमियम 10% है। परियोजना का जीवन 5 वर्ष

है। निम्न नकद प्रवाह जो परियोजना की जीवन के उपर अनुमानित है

वर्ष	नकद प्रवाह लाख रु में
1	125
2	300
3	375
4	400
5	325

जोखिम मुक्त दर पर आधारित परियोजना की शुद्ध वर्तमान मूल्य तथा साथ में जोखिम समायोजित बट्टादर की गणना करे

लाभांश निर्णय

7. SD Ltd. से संबंधित निम्न सूचना है

कम्पनी की अन्य	रु ₹ 50,00,000
लाभांश भुगतान अनुपात	60%
अदत अंशों की संख्या	10,00,000
समता पूंजीकरण दर	12%
निवेश पर प्रत्याय की दर	15%

- (i) Walter's model के अनुसार प्रति अंश बाजार मूल्य की गणना करे
- (ii) Walter's model के अनुसार अनुकूलतम लाभांश भुगतान अनुपात तथा उस भुगतान अनुपात पर कम्पनी का अंशों का बाजार मूल्य की गणना करे

कार्यकारी पूंजी का प्रबन्धन

8. निम्न KG Ltd. की लागत सूचना है जिसने 24,000 की वार्षिक उत्पादन के लिए एक नयी परियोजना को आरंभ किया जो पूर्व क्षमता में है

	प्रति इकाई लागत रु
समग्री	80.00
प्रत्यक्ष श्रम तथा परिवर्तनशील व्यय	40.00
स्थिर निर्माणी व्यय	12.00
द्वस	20.00
स्थिर प्रशासकीय व्यय	8.00
	160.00

प्रति यूनिट बिक्री कीमत की रू 192 तथा बिक्री व्यय रू 10 प्रति यूनिट होने की अपेक्षा है जिसका 80% परिवर्तनशील है

परिचालन के प्रथम दो वर्षों में उत्पादन तथा बिक्री होने की अपेक्षा निम्न है

वर्ष	उत्पादन (यूनिट की संख्या)	बिक्री (यूनिट की संख्या)
1	12,000	10,000
2	18,000	17,000

कार्यकारी पूंजी आवश्यकता की समीक्षा के लिए, निम्न अतिरिक्त सूचना उपलब्ध है

- (a) सामग्री का स्टॉक 2 माह की औसत उपयोग
 (b) प्रगति में कार्य शून्य
 (c) ऋणी 2 माह की औसत बिक्री
 (d) नकद शेष रू 1,00,000
 (e) सामग्री की आपूर्ति के वर्ष के दौरान 1 माह की औसत क्रय लिए ऋणदाता
 (f) व्यय के लिए ऋणदाता वर्ष के दौरान सभी व्यय की 1 माह का औसत

दो वर्ष के लिए तैयार करें

- (i) लाभ/हानि का प्रोजेक्टिड विवरण (कराधान की अनदेखी करें)! तथा
 (ii) कार्यकारी पूंजी आवश्यकता का प्रोजेक्टिड विवरण

कार्यकारी पूंजी का प्रबन्धन

9. आपकी कम्पनी का एक नियमित ग्राहक ने आपको वस्तु का क्रय के लिए साख सुविधा का विस्तार के लिए अप्रोच किया। विगतकुशलता का विश्लेषण तथा आपूर्ति सूचना के आधार पर, भुगतान अनुसूची का निम्न पैटर्न उभरता है

भुगतान शेडमुल का पैटर्न	
30 दिवस के अंत पर	बिल का 20%
60 दिवस के अंत पर	बिल का 30%
90 दिवस के अंत पर	बिल का 30%
100 दिवस के अंत पर	बिल का 18%
गैरवसूली	बिल का 2%

ग्राहक कैलेंडर वर्ष में प्रत्येक त्रैमासिक का प्रथम दिवस पर बराबर मात्रा में की जाने वाली डिलीवरी, 2019 में रू 30 लाख की वस्तुओं के क्रय की फर्म प्रतिबद्धता को देता है। वस्तु की प्रति यूनिट कीमत रू 300 है जिस पर रू 10 प्रति यूनिट के लाभ की

अपेक्षा है। यह प्रत्याशित है कि इस ठेके को लेने का अर्थ है कि रू 10000 प्रतिवर्ष की अतिरिक्त उत्पन्न व्यय होगा। यदि अवसर लागत प्रतिवर्ष 18% है, क्या आप कम्पनी का वित्त प्रबन्धक के रूप में ग्राहक को उधार प्रदान करने के लिए अनुशंसा करेगा? मानले 1 वर्ष = 360 दिवस।

विविध

10. निम्न पर लघु टिप्पणी लिखे
- पेबैकरेसीपरोकल का अर्थ वर्णित करे
 - कोष विभाग का कार्य को वर्णित करे
 - निवेश, वित्त तथा लाभाश निर्णय के मध्य अन्तर्संबंध को वर्णित करे

सुझायाउत्तर/ संकेत

1. (i) सकल लाभ अनुपात = $\frac{\text{Gross profit}}{\text{Sales}} \times 100 = \frac{₹42,18,000}{₹1,96,56,000} \times 100 = 21.46\%$
- (ii) शुद्ध लाभ अनुपात = $\frac{\text{Net profit}}{\text{Sales}} \times 100 = \frac{₹14,08,600}{₹1,96,56,000} \times 100 = 7.17\%$
- (iii) परिचालन अनुपात = $\frac{\text{परिचालन लागत}}{\text{बिक्री}} \times 100$
परिचालन लागत = बेची गयी वस्तु की लागत + परिचालन व्यय
बेची गयी वस्तु की लागत = बिक्री – सकल लाभ
= 1,96,56,000 - 42,18,000 = 1,54,38,000
परिचालन व्यय = प्रशासकीय व्यय + बिक्री तथा वितरण व्यय
= 18,40,000 + 7,56,000 = 25,96,000
इसलिए परिचालन अनुपात = $\frac{1,54,38,000 + 25,96,000}{1,96,56,000} \times 100$
= $\frac{1,80,34,000}{1,96,56,000} \times 100 = 91.75\%$
- (iv) परिचालन लाभ अनुपात = 100 - परिचालन लागत अनुपात
= 100 - 91.75% = 8.25%
- (v) इवेंटरीटर्न ओवर अनुपात = $\frac{\text{Cost of goods sold}}{\text{Average stock}}$

$$= \frac{1,54,38,000}{(14,28,000 + 12,46,000) / 2}$$

$$= \frac{1,54,38,000}{13,37,000} = 11.55 \text{ गुणा}$$

$$(vi) \text{ चालू अनुपात} = \frac{\text{Current assets}}{\text{Current liabilities}}$$

$$\begin{aligned} \text{चालू सम्पत्ति} &= \text{विविध ऋणी} + \text{इंवेटरी} + \text{नकद तथा बैंक शेष} \\ &= 13,50,000 + 14,28,000 + 4,22,000 = 32,00,000 \end{aligned}$$

$$\begin{aligned} \text{चालू दायित्व} &= \text{विविध ऋणदाता} + \text{अन्य दायित्व} \\ &= 7,20,000 + 2,80,000 = 10,00,000 \end{aligned}$$

$$\text{चालू अनुपात} = \frac{32,00,000}{10,00,000} = 3.2 \text{ गुणा}$$

$$(vii) \text{ तीव्र अनुपात} = \frac{\text{चालू सम्पत्ति} - \text{इंवेटरी}}{\text{चालू दायित्व}}$$

$$= \frac{32,00,000 - 14,28,000}{10,00,000} = 1.77 \text{ गुणा}$$

$$(viii) \text{ ब्याज कवरेज अनुपात} = \frac{E}{\text{ब्याज}} = \frac{\text{Earnings before interest \& tax}}{\text{ब्याज}}$$

$$= \frac{14,08,600 + 2,60,000}{2,60,000} = 6.42 \text{ गुणा}$$

$$(ix) \text{ नियोजित पूंजी पर प्रत्याय (ROCE)} = \frac{\text{EBIT}}{\text{Capitalemployed}} \times 100$$

$$\begin{aligned} \text{नियोजित पूंजी} &= \text{पूंजी} + \text{रखा अर्जन} + \text{सामान्य संचय} + \text{अवधि ऋण} \\ &= 20,00,000 + 42,00,000 + 12,00,000 + 26,00,000 \\ &= 1,00,00,000 \end{aligned}$$

$$\text{इसलिए नियोजित पूंजी पर प्रत्याय} = \frac{16,68,600}{1,00,00,000} \times 100 = 16.69\%$$

$$(x) \text{ सम्पत्ति की ऋण अनुपात} = \frac{\text{ऋण}}{\text{कुलसम्पत्ति}} \times 100 = \frac{26,00,000}{1,10,00,000} \times 100 = 23.64\%$$

2. वर्किंग

Workings:

$$(i) \text{ समता की लागत}(K_e) = \frac{D_1}{P_0} + g = \frac{\text{₹}6}{\text{₹}60} + 0.10 = 0.20 = 20\%$$

$$(ii) \text{ ऋण पत्र की लागत}(K_d) = I(1 - t) = 0.09(1 - 0.4) = 0.054 \text{ or } 5.4\%$$

पूंजी की भारित औसत लागत की गणना (बाजार मूल्य भार)

पूंजी का स्ट्रॉट	पूंजी का बाजार मूल्य रु	भार	पूंजी की लागत(%)	पूंजी की भारित औसत लागत WACC (%)
9% ऋण पत्र	6,00,00,000	0.1875	5.40	1.01
12% अधिमान अंश	2,00,00,000	0.0625	12.00	0.75
समता अंश पूंजी(रु 60 × 40,00,000 अंश)	24,00,00,000	0.7500	20.00	15.00
योग	32,00,00,000	1.00		16.76

3. (i) प्रति अंश आय (EPS) की गणना

योजना	P (रु)	Q (रु)	R (रु)
ब्याज तथा कर पूर्व आय(EBIT)	3,60,00,000	3,60,00,000	3,60,00,000
घटा: ब्याज प्रभार	--	(48,00,000)	--
कर पूर्व आय	3,60,00,000	3,12,00,000	3,60,00,000
घटायें: 40% की दर से कर	(1,44,00,000)	(1,24,80,000)	(1,44,00,000)
करोपरांत आय	2,16,00,000	1,87,20,000	2,16,00,000
घटायें: अधिमान अंश लाभांश	--	--	(48,00,000)
समता अंश धारको के लिए उपलब्ध आय	2,16,00,000	1,87,20,000	1,68,00,000
समता अंशों की संख्यां	40,00,000	20,00,000	20,00,000
प्रति अंश आय	5.40	9.36	8.40

(ii) वित्तीय ब्रेक इवन बिंदु की गणना

$$\text{प्रस्ताव 'P'} = 0$$

$$\text{प्रस्ताव 'Q'} = \text{रु } 48,00,000 \text{ (ब्याज प्रभार)}$$

$$\text{प्रस्ताव 'R'} = \text{अधिमान अंशलाभांश का भुगतान के लिए आवश्यक आय अर्थात् } \text{रु } 48,00,000 \div 0.6 = \text{रु } 80,00,000$$

(iii) प्रस्ताव के मध्य तटस्थ बिंदु की गणना

प्रस्ताव का समुच्चय

(a) तटस्थ बिंदु जहां पर प्रस्ताव 'P' तथा प्रस्ताव Q की EBIT बराबर

$$\frac{\text{EBIT}(1-0.4)}{40,00,000 \text{ shares}} = \frac{(E - \text{रु}4,00,000)(1-0.4)}{2,00,000 \text{ sha}}$$

$$0.6 \text{ EBIT} = 1.2 \text{ EBIT} - \text{रु}57,60,000$$

$$\text{EBIT} = \text{रु}96,00,000$$

(b) तटस्थ बिंदु जहां पर प्रस्ताव P तथा प्रस्ताव Q की EBIT बराबर है

$$\frac{\text{EBIT}(1-0.40)}{40,00,000 \text{ अंश}} = \frac{\text{EBIT}(1-0.40) - \text{रु}48,00,000}{20,00,000 \text{ अंश}}$$

$$\frac{0.6E}{4,00,000 \text{ अंश}} = \frac{0.6E - \text{रु}4,00,000}{2,00,000 \text{ अंश}}$$

$$0.30 \text{ EBIT} = 0.6 \text{ EBIT} - \text{रु}48,00,000$$

$$\text{EBIT} = \frac{\text{रु}4,00,000}{0.3} = \text{रु}1,60,00,000$$

(c) तटस्थ बिन्दु जहां पर प्रस्ताव Q तथा प्रस्ताव R की EBIT बराबर है

$$\frac{(E - \text{रु}4,00,000)(1-0.4)}{2,00,000 \text{ अंश}} = \frac{E(1-0.4) - \text{रु}4,00,000}{2,00,000 \text{ अंश}}$$

इसलिए प्रस्ताव Q तथा प्रस्ताव R के मध्य तटस्थ बिंदु नहीं है

4. (i) परिचालन लिवरेज की डिग्री = $\frac{\text{परिचालन आय में \%बदलाब}}{\text{राजस्व में प्रतिशत बदलाब}}$

$$\text{A Ltd.} = 0.22 / 0.35 = 0.63$$

$$\text{B Ltd.} = 0.35 / 0.24 = 1.46$$

$$\text{C Ltd.} = 0.26 / 0.29 = 0.90$$

$$\text{D Ltd.} = 0.30 / 0.32 = 0.94$$

यह लेवल विशिष्ट है

(ii) उच्चपरिचालन लिवरेज उच्च बेटा की तरफ ले जाती है। इसलिए जब परिचालन लिवरेज न्यूनतम अर्थात् 0.63 है, Beta न्यूनतम (1) है तथा जबपरिचालन लिवरेज अधिकतम है अर्थात् 1.46 बेटा अधिकतम है अर्थात् 1.65

5. शुद्ध नकद प्रवाह की गणना

$$\text{अंशदान} = (300 - 285) \times 75,000 = \text{रु}11,25,000$$

$$\text{स्थिर लागत} = 8,40,000 - [(25,00,000 - 3,00,000)/5] = \text{रु}4,00,000$$

वर्ष	पूंजी रु	अंशदान रु	स्थिर लागत	विज्ञापन रु	शुद्ध नकदप्रवाह
------	----------	-----------	------------	-------------	-----------------

			रु		रु
0	(20,00,000)				(20,00,000)
1	(5,00,000)	11,25,000	(4,00,000)	(1,00,000)	1,25,000
2		11,25,000	(4,00,000)	(1,50,000)	5,75,000
3		11,25,000	(4,00,000)		7,25,000
4		11,25,000	(4,00,000)		7,25,000
5	3,00,000	11,25,000	(4,00,000)		10,25,000

शुद्ध वर्तमान मूल्य की गणना

वर्ष	शुद्ध नकद प्रवाह रु	12% बट्टा फेक्टर	वर्तमान मूल्य रु
0	(20,00,000)	1.000	(20,00,000)
1	1,25,000	0.892	1,11,500
2	5,75,000	0.797	4,58,275
3	7,25,000	0.711	5,15,475
4	7,25,000	0.635	4,60,375
5	10,25,000	0.567	5,81,175
			1,26,800

अवधि का शुद्ध वर्तमान मूल्य रु 126800 है

6. नकद प्रवाह का 5% पर बट्टागत द्वारा सभी वर्षों के लिए नकद प्रवाह की गणना नीचे है

वर्ष	लाख रु मे नकद प्रवाह	5%की दर से बट्टा फेक्टर	नकद प्रवाह का वर्तमान मूल्य लाख रु मे
1	125	0.952	119.00
2	300	0.907	272.10
3	375	0.863	323.62
4	400	0.822	328.80
5	325	0.783	254.47
नकद प्रवाह का कुल वर्तमान मूल्य			1,297.99
घटा आरम्भिक निवेश			1,000.00
शुद्ध वर्तमान मूल्य (NPV)			297.99

अब जब कि जोखिम मुक्त दर 5% है तथा प्रबन्धन द्वारा अपेक्षित प्रिमियम 10% है अतः एवं जोखिम समायोजित दर 5% + 10% = 15% है

जोखिम समायोजित बट्टा फेक्टर का उपयोग कर उपरोक्त नकद प्रवाह का बट्टा निम्न है

वर्ष	नकद प्रवाह लाख रु मे	बट्टा फेक्टर 15% की दर से	नकद प्रवाह का वर्तमान मूल्य (लाख रु मे)
1	125	0.869	108.62
2	300	0.756	226.80
3	375	0.657	246.37
4	400	0.571	228.40
5	325	0.497	161.52
नकद प्रवाह वर्तमान मूल्य का योग			971.71
आरम्भिक निवेश			1,000.00
शुद्ध वर्तमान मूल्य (NPV)			(28.29)

7. (i) Walter's model को दिया है

$$P = \frac{D + \frac{r}{K_e}(E - D)}{K_e}$$

यहां पर

P = प्रति अंश बाजार की मत

E = प्रति अंश आय = रु 5

D = प्रति अंश लाभांश = रु 3

R = निवेश पर अर्जित प्रत्याय = 15%

K_e = समता पूंजी की लागत = 12%

$$P = \frac{3 + \frac{0.15}{0.12}(5 - 3)}{0.12} = \text{रु } 45.83$$

(ii) Walter's model के अनुसार जब निवेश का प्रत्याय समता पूंजी की लागत से अधिक है प्रतिअंश की कीमत में वृद्धि होती है जैसे लाभांश भुगतान की अनुपात में कमी आती है अतः एवं इस मामले में अनुकूलतम लाभांश अनुपात शून्य है

इसलिए शून्य भुगतान अनुपात पर कम्पनी के अंश का बाजार मूल्य है

$$P = \frac{0 + \frac{0.15}{0.12}(5 - 0)}{0.12} = \text{रु}52.08$$

8. (i) लाभ/हानि का प्रोजेक्टिड वितरण
(कराधान की अनदेखी)

	वर्ष 1	वर्ष 2
उत्पादन इकाई	12,000	18,000
बिक्री इकाई	10,000	17,000

	(रु)	(रु)
बिक्री राजस्व(A) (बिक्री यूनिट× रु192)	19,20,000	32,64,000
उत्पादन की लागत:		
सामग्री लागत (उत्पादित यूनिट× रु 80)	9,60,000	14,40,000
प्रत्यक्ष श्रम तथा परिवर्तन शील व्यय (उत्पादित इकाई × रु 40)	4,80,000	7,20,000
स्थिर निर्माणी व्यय (उत्पादन क्षमता: 24,000 यूनिट × रु 12)	2,88,000	2,88,000
इस (उत्पादन क्षमता: 24,000 यूनिट × रु 20)	4,80,000	4,80,000
स्थिर प्रशासकीय व्यय (उत्पादन क्षमता: 24,000 यूनिट × रु 8)	1,92,000	1,92,000
उत्पादन की कुल लागत	24,00,000	31,20,000
जोड़े: निर्मित वस्तु का आरम्भिक स्टॉक (वर्ष 1: शून्य वर्ष 2: 2000 इकाई)	---	4,00,000
बिक्री के लिए उपलब्ध वस्तुओं की लागत वर्ष 1: 12000 इकाई वर्ष 2: 2000 इकाई	24,00,000	35,20,000
घटाये: औसत लागत पर निर्मित वस्तु का अंतिम स्टॉक (वर्ष 1: 2000 यूनिट वर्ष 2: 3000 यूनिट) उत्पादन की लागत×अंतिम स्टॉक/उत्पादित यूनिट	(4,00,000)	(5,28,000)

बेची वस्तु की लागत	20,00,000	29,92,000
जोड़े: बिक्री व्यय: परिवर्तन शील (बिक्री यूनिट× रु 8)	80,000	1,36,000
जोड़े: बिक्री व्यय: स्थिर (24000 यूनिट× 2)	48,000	48,000
बिक्री की लागत: (B)	21,28,000	31,76,000
लाभ (+)/ हानि (-) (A - B)	(-) 2,08,000	(+) 88,000

वर्किंगनोट:**1. सामग्री को आपूर्ति के लिए ऋणदाता की गणना:**

	वर्ष 1 रु	वर्ष 2 रु
वर्ष के दौरान उपयोग सामग्री	9,60,000	14,40,000
जोड़े: अंतिमस्टॉक (2 माह की औसत उपयोग)	1,60,000	2,40,000
	11,20,000	16,80,000
घटाये: आरंभिक स्टॉक	---	1,60,000
वर्ष के दौरान क्रय	11,20,000	15,20,000
प्रतिमाह औसत क्रय (ऋणदाता)	93,333	1,26,667

2. व्यय के लिए ऋणदाता:

	वर्ष 1 रु	वर्ष 2 रु
प्रत्यक्ष श्रम तथा परिवर्तनशील व्यय	4,80,000	7,20,000
स्थिर निर्माणी व्यय	2,88,000	2,88,000
स्थिर प्रशासकीय व्यय	1,92,000	1,92,000
बिक्री व्यय (परिवर्तनशील + स्थिर)	1,28,000	1,84,000
योग	10,88,000	13,84,000
प्रतिमाह औसत	90,667	1,15,333

(ii) कार्यकारी पूंजी आवश्यकता की प्रोजेक्टिड विवरण

	वर्ष 1 रु	वर्ष 2 रु
चालू सम्पत्ति:		
इवेटरीण:		
- सामग्री का स्टॉक	1,60,000	2,40,000
- (2 माह की औसत उपयोग)		

-निर्मित वस्तु	4,00,000	5,28,000
ऋणी (2 माह की औसत बिक्री) (लाभ सहित)	3,20,000	5,44,000
नकद	1,00,000	1,00,000
योग चालू सम्पत्ति/सकल वर्किंग पूंजी(A)	9,80,000	14,12,000
चालू दायित्व:		
समग्री की आपूर्ति के लिए ऋण दाता (वर्किंग नोट 1 को देखें)	93,333	1,26,667
व्यय के लिए ऋणदाता (वर्किंग नोट 2 को देखें)	90,667	1,15,333
योग चालू दायित्व: (B)	1,84,000	2,42,000
टनुमानित वर्किंग पूंजी आवश्यकता: (A-B)	7,96,000	11,70,000

9. साख नितियों का आकलन को दिखाते हुए विवरण

विवरण	प्रस्तावितनिति रू
A. अपेक्षित लाभ:	
(a) उधार बिक्री	30,00,000
(b) योग लागत	
(i) परिवर्तनशील लाभ	29,00,000
(ii) बार-2 उत्पन्न व्यय	10,000
	29,10,000
(c) अशोध्य ऋण	60,000
(d) अपेक्षित लाभ[(a) - (b) - (c)]	30,000
B. प्राप्य में निवेश की अवसर लागत	1,00,395
C. शुद्ध लाभ (A - B)	(70,395)

अनुशांसा: प्रस्तावित निति को अपनाना नहीं चाहिए क्योंकि इस निति के अर्न्तगत शुद्ध लाभ नकारात्मक है

वर्किंगनोट: औसत निवेश की अवसर लागत की गणना

$$\text{अवसर लागत} = \text{योग लागत} \times \frac{\text{Collection period}}{360} \times \frac{\text{Rate of Return}}{100}$$

विवरण	20%	30%	30%	18%	योग
A. योग लागत	5,82,000	8,73,000	8,73,000	5,23,800	28,51,800
B. संग्रहण अवधि	30/360	60/360	90/360	100/360	
C. प्रत्याय की आवश्यक दर	18%	18%	18%	18%	
D. अवसर लागत (A × B × C)	8,730	26,190	39,285	26,190	1,00,395

10. (a) जैसा नात संकेत देता है यह पेबैक अवधि का उलट है। पूंजी बजटिंग की पेबैक अवधि की प्रमुख खामी है कि यह निवेश निर्णय का उद्देश्य के लिए किसी कर आप्य अवधि का संकेत नहीं देता। यह अद्यपि, दलील देते हैं कि पेबैक का उलटा प्रत्याय की आंतरिक दर का नजदीकी अनुमान है (बाद में चर्चा की है) यदि परियोजना का जीवन कम से कम पेबैक अवधि का दो गुणा है तथा परियोजना वार्षिक अर्न्तप्रवाह की बराबर की राशी को सृजित करता है। व्यवहार में, पेबैक रेसिपरोकल एक परियोजना की प्रत्याय की दर का तीव्र अनुमान के लिए सहायक टूल है वशर्ते इसका जीवन कम से कम पेबैक अवधि का दुगुना है

पेबैक रेसिपरोकल की गणना निम्न है:

$$\text{पेबैक रेसिपरोकल} = \frac{\text{औसत नकद अर्न्तप्रवाह}}{\text{आरम्भिक निवेश}}$$

- (b) 1. **नकद प्रबन्धन:** इसमें कुशल संग्रहण प्रोसेस तथा संस्था के अंदर तथा तृतीय पक्ष को नकद का प्रबन्धन लिप्त है।

समूह कोष के अंदर पूर्ण केंद्रीय करण हो सकता है अथवा कोष केवल नितिगत मामला पर सहायक तथा प्रभाग को सलाह दे सकती है पेसैं संग्रहण भुगतान अवधि बट्टा इत्यादि

कोष एक निवेश पोर्टफोलियो में आधिक्य फंड का भी प्रबन्धन करता है। निवेश निति भविष्य की तरल फंड की आवश्यकता तथा कम्पनी निति द्वारा निर्धारित जोखिम का स्वीकार्य स्तर पर विचार करेगा

2. **करेसी प्रबन्धन:** कोष विभाग कम्पनी का विदेशी करेगी जोखिम एक्स पेपर का प्रबन्धन करता है। एक बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनी में, प्रायः प्रथम चरण अतः समूह ऋण को सेट आध करना होता है। उसी करेगी में प्राप्ति तथा भुगतान की मिलान का उपयोग सौदा लागत को बचायेगा। कोष समुद्र पार बिक्री की इवायसिंग में प्रयुक्त होने वाली करेगी के बारे में सलाह देगी।

कोष कम्पनी निति के अनुसार शुरू विनिमय एक्सपोजर को प्रबंधित करेगा। यदि जोखिम को कम करना है तक फाखर्ड संविदा को फाखर्ड करेसी की बिक्री अथवा क्रय के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है।

3. **फंडप्रबन्धन** कोष विभाग कम्पनी की अल्प, मध्यय तथा दीर्घकालीन नकद आवश्यकता की योजना तथा स्रोत के लिए उत्तरदायी है। कोष विभाग पूंजी सरचना के निर्वय मे भी भाग लेगा तथा भविष्य ब्याज तथा विदेशी करें सीदर के बारे मे पूर्वानुमान लगायगो।
 4. **बैंकिंग** यह महत्वपूर्ण है कि कम्पनी अपने बैंकर्स के साथ अच्छा संबंध बनाये रखे। कोषविभाग बैंकर्स के साथ सौदेबाजी करता है तथा उनके साथ आरभिक संबंध के रूप मे कार्यवाही कर सकता है। अल्पकालीन वित बैंक के स्वरूप मे अथवा धन बाजार मे वाणिज्यिक पेपर की बिक्री के जरिये हो सकता है।
 5. **निगमित वितकोष** विभाग समूह के अंदर दोनो अधिगृहण तथा विनिवेश मे लिप्त हो सकता है। इसके अतिरिक्त, यह निवेशक संबंध के लिए उत्तरदायित्व है। बाद की गतिविधि ने बाजार मे बढ़ती महत्व को माना है जहां पर अंश कीमत कुशलता को महत्वपूर्ण माना जाता है तथा कम्पनी की अधिगृहण गतिविधि को करने के लिए कम्पनी की योग्यता को प्रभावित कर सकता है अथवा कीमत काफी गिर जाती है, इसमे शत्रु तानिलामी हो सकती है
- (c) (c) **निवेश, विव तथा लाभांश निर्णय के मध्य अर्न्तसंबंध** वित कार्यको तीन प्रमुख निर्णय अर्थात निवेश, तिव तथा लाभांश निर्णय मे वियक्त किया जाता है। यह कहना सही है कि यह निर्णय एक दुसरे से जुडे है क्योकि इन तीन निर्णय का अर्न्त निधित उद्देश्य एक है अर्थात अंशधारको की धन को अधिकतम करना है। क्योकि निवेश, वित तथा लाभांश निर्णय एक दुसरे से जुडे है एक व्यक्ति को कम्पनी का अंश की बाजार कीमत पर इन निर्णय का संयुक्त प्रभाव पर विचारकर ना चाहिए तथा सयुक्त रूप से सुलझाना चाहिए। एक नयी परियोजना मे निवेश का निर्णय निवेश के लिए वित की आवश्यकता रखता है। वितनिर्णय लाभांश निर्णय द्वारा प्रभावित तथा निवेशनिर्णय को प्रभावित करता है क्योकि रखा अर्जन को आतरिक वित मे प्रयुक्त किया जाता है जो अंशधार को उनके लाभांश से वंचित कर देता है। एक कुशल वित्तीय प्रबन्धन अनुकुलतम संयुक्त निर्णय को सुनिश्चित कर सकता है। यह अंशधारक की धन पर प्रभाव के संबंध मे प्रत्येक निर्णय का आकलन द्वारा सभंव है।

उपरोक्त तीन निर्णय की उनके अर्न्तसंबंध के प्रकाश मे नीचे सक्षेप मे परीक्षण किया गया है तथा देखते है कि किस प्रकार वेअंशधारको की धन को अधिकतम करने अर्थात कम्पनी के अंशो की बाजार कीमत मे सहायता कर सकते है।

निवेश निर्णय दीर्घकालीनफंड का निवेश पूंजी वजटिंग तथा अनिश्चितता विश्लेषण के जरिये विभिन्न परियोजना की सावधानी पूर्वक समीक्षा को पश्चात् किया जाता है। यद्यपि केवल उन निवेश प्रस्ताव को स्तीकृत किया जाता है जिसकी न्यूनतम इतना प्रत्याय की अपेक्षा हैकि यह वित की लागत को पुरा करने के लिए पर्याप्त है। इसका कम्पनी की लाभा दायकता तथा अंतः धन पर प्रभख है।

वित निर्णय फंड को विभिन्न स्रोत द्वारा उगाया जा सकता है। फंड का विभिन्न स्रोत मे विभिन्न मुद्रालिप्त है। वित प्रबन्धक को दीर्घकालीन फंड का कुल परिमाण के साथ, उसे ऋण फंड तथा स्वामी के फंड का उपयेक्त मिश्रण को सुनिश्चित करना होता है। अनुकुलतम वित मिश्रण समता अंशधारको को प्रत्याय को बढ़ायेगा तथा इस तरह से उनकी धन को अधिकतम करेगा।

लाभांश निर्णय वित प्रबन्धक लाभांश के भुगतान अथवा घोषण से भी सवधित है।वह शीर्ष प्रबन्धन की यह निर्णय करने मे सहायता करता है लाभ का कितना भाग कोलाभांश के जरिये

अंशधारको को भुगतान करना चाहिए तथाकित नाभाग को व्यापार के लिए रखना चाहिए। एक अनुकूलतम भुगतान अनुपात अंशधारक धन को अधिकतम करता है।

उपरोक्त चर्चा यह स्पष्ट करता है कि निवेश वित तथा लाभांश निर्णय एक दुसरे से जुडे है तथा अंशधारक की धनपर उनके सयुक्त प्रभावको ध्यान मे रखकर सयुंक्त रूप से लेना चाहिए।